PRGI No. UPHIN/25/A1698

# नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 059
दि.28.06.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

## 'जेवर में पहले जंगल राज था, अब मंगल राज', सीएम योगी ने बताया- कोरिया से क्या है यूपी का रिश्ता

**उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा के जेवर में इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट बनाने वालीं दो कम्पनियों का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि भारत अब इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग का हब बनेगा।**

(जीएनएस)।

नोएडा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा के जेवर में शनिवार को दो कम्पनियों की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पहले जेवर में जंगल राज था, अब मंगल राज है। उन्होंने कहा कि भारत मोबाइल के बाद इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट उत्पादन का हब बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में 'अंबर इंटरप्राइजेस' और 'एसेंट-के सर्किट्स' के इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि, 'भारत को इलेक्ट्रॉनिक हब के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री के विजन को प्रभावी रूप से जमीनी धरातल पर उतारने का प्रयास

अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ है।'

**सेमीकंडक्टर आज की दुनिया की सबसे बड़ी ताकत**

सीएम योगी ने कहा कि, 'सेमीकंडक्टर आज की दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। इस ताकत का केंद्र बिंदु यह क्षेत्र बने। आज इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट के नए हब के रूप में इस क्षेत्र को स्थापित करने के लिए हमारे दोनों मंत्रियों ने जो रुचि ली, वह अद्भुत है। जो हम दुनिया से आयात करते हैं, वह हमारे यहां बने और उसको हम दुनिया को निर्यात करें। भारत को इलेक्ट्रॉनिक हब के रूप में विकसित करना है। आक्रामक रणनीति और प्रेरणादायी नेतृत्व के नाते ही आज उत्तर प्रदेश का कभी जंगल राज वाला कहलाने वाला जेवर आज मंगल राज के रूप में बदल गया है।'

**6785 करोड़ रुपये का निवेश**

मुख्यमंत्री ने कहा कि, 'जेवर को शानदार एयरपोर्ट की सौगात प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से मिली है। उसने अब कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू कर दी हैं। यहां निवेश के अनेक प्रस्ताव आ रहे हैं। आज जो शिलान्यास हो रहा है, यह 6785 करोड़ रुपये के निवेश का है। अंबर ग्रुप और कोरिया सर्किट का ज्वाइंट वेंचर बनाकर यह निवेश किया जा रहा है।'

**कोरिया से उत्तर प्रदेश का बहुत पुराना संबंध**

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, 'कोरिया के साथ उत्तर प्रदेश का बहुत पुराना संबंध है। कोरिया के इतिहास में यह मान्यता है कि उनकी रानी क्वीन हो अयोध्या की राजकुमारी रत्ना थी, जो कि जलमार्ग से कोरिया पहुंची थीं। हम लोगों ने कोरिया की फर्स्ट लेडी के उत्तर प्रदेश आगमन के अवसर पर अयोध्या में एक पार्क भी क्वीन हो की स्मृति में बनाया है। वहां के एम्बेसडर स्वयं अयोध्या पधारे थे। वे स्मरण करके आज भी भावुक होते हैं और भारत के साथ एक आत्मीय संबंध भी जोड़ते हैं।'

## रविवार को हाथरस और आगरा के दौरे पर रहेंगे सीएम योगी, विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात; कानून व्यवस्था की करेंगे समीक्षा

(जीएनएस) लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार 28 जून को हाथरस और आगरा के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री पहले हाथरस पहुंचेंगे, जहां सलेमपुर इंडस्ट्रियल एरिया में वह विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करेंगे। यहां वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

हाथरस दौरे के बाद मुख्यमंत्री आगरा पहुंचेंगे, जहां वह आयुक्त सभागार में आयोजित आगरा मंडल के लोक निर्माण विभाग के पुराने कार्यों की समीक्षा और नए कार्यों की कार्ययोजना के संबंध में बैठक करेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री जनपदीय विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा करेंगे। आगरा से लौट कर मुख्यमंत्री शाम को लखनऊ में स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की समीक्षा बैठक करेंगे।

## आगरा को 'हजार करोड़' का तोहफा, सीएम योगी आज करेंगे सड़कों-पुलों का खाका तैयार

**ताजनगरी की सड़कों और कनेक्टिविटी का नक्शा जल्द बदलने वाला है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आगरा आ रहे हैं और वे शहर के विकास के लिए तैयार 1,000 करोड़ रुपये की मेगा कार्ययोजना पर मुहर लगा सकते हैं. लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए पूरा होमवर्क तैयार कर लिया है, जिसका प्रेजेंटेशन आज कमिश्नरी सभागार में सीएम के सामने होगा.**

(जीएनएस)।

आगरा। ताजनगरी की सड़कों और कनेक्टिविटी का नक्शा जल्द बदलने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आगरा आ रहे हैं और वे शहर के विकास के लिए तैयार 1,000 करोड़ रुपये की मेगा कार्ययोजना पर मुहर लगा सकते हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए पूरा होमवर्क तैयार कर लिया है, जिसका प्रेजेंटेशन आज कमिश्नरी सभागार में सीएम के सामने होगा।

**600 सड़कें और दो दर्जन पुल का टारगेट**

पीडब्ल्यूडी ने आगरा की सभी 9 विधानसभाओं को ध्यान में रखकर एक बड़ी योजना तैयार की है। इसमें करीब 600 सड़कों का निर्माण और मरम्मत शामिल है। इतना ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए दो दर्जन से ज्यादा छोटे-बड़े पुल और पुलिया बनाने का प्रस्ताव भी है। इसके अलावा, शहर में ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए 3 से 4 नए रेल ओवर ब्रिज (फ्ड्इ) बनाने की तैयारी है।

**टूरिज्म और रूरल एरिया पर खास फोकस**

इस योजना में सिर्फ शहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी खास तरजीह दी गई है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़कों को चौड़ा किया जाएगा। वहीं, टूरिस्टों की सुविधा के लिए आगरा के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक जाने वाली सड़कों को भी स्मार्ट बनाया जाएगा। पुराने पुलों की मरम्मत का काम भी इसी बजट का हिस्सा होगा।

जनप्रतिनिधियों के साथ मंथन

आज दोपहर करीब 1 बजे जब सीएम योगी कमिश्नरी सभागार में बैठक करेंगे, तो लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इन सभी प्रोजेक्ट्स का प्रेजेंटेशन देंगे। इस बैठक में आगरा के सभी जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। वे अपने-अपने क्षेत्र की सड़कों और विकास कार्यों को लेकर सीएम को सुझाव दे सकते हैं। प्रस्तावों पर चर्चा के बाद इन्हें शासन को भेजा जाएगा।

**3 घंटे का होगा दौरा, कानून व्यवस्था की भी होगी समीक्षा**

सीएम योगी का आगरा में कुल 3 घंटे का समय तय है। दोपहर 12:55 बजे वे आगरा आएंगे और शाम 4 बजे लखनऊ के लिए रवाना होंगे। पीडब्ल्यूडी की समीक्षा के बाद दोपहर 2:45 से 3:45 बजे तक सीएम सीधे शहर के विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा करेंगे।

**तैयारियों में जुटा प्रशासन**

सीएम के आगमन को लेकर आगरा प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। डीएम मनीष बंसल ने खुद रूट का मुआयना किया और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। नगर निगम ने खेरिया मोड़ से फतेहाबाद रोड तक 'स्पेशल सफाई अभियान' चलाया है। रास्ते में लगे अवैध होर्डिंग हटा दिए गए हैं और सड़कों के गड्ढे भरकर उन्हें चकाचक कर दिया गया है।

**सीएम का मिनट-टू-मिनट**

11:00 अटः खेरिया एयरपोर्ट आगमन, हाथरस के लिए प्रस्थान।

12:55 ढटः वापस आगरा वापसी, कमिश्नरी सभागार में बैठक।

01:00 ढटः पीडब्ल्यूडी के विकास कार्यों का प्रेजेंटेशन और समीक्षा।

02:45 ढटः शहर के अन्य विकास कार्य और कानून-व्यवस्था की समीक्षा।

04:00 ढटः खेरिया एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवानगी।

### भरत तिवारी के लिए इंसाफ मांगना बिहार पुलिस के जवान को पड़ा भारी, हुए सस्पेंड

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में न्याय की मांग करने वाले बिहार पुलिस के सिपाही आशीष कुमार तिवारी अब खुद विभागीय कार्रवाई की जद में आ गए हैं। पूर्वी चंपारण पुलिस ने उन्हें सस्पेंड करते हुए विभागीय जांच शुरू कर दी है। पुलिस का आरोप है कि आशीष तिवारी ने सोशल मीडिया पर बिहार सरकार और बिहार पुलिस के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देकर सरकारी कर्मचारी आचार नियमों का उल्लंघन किया। वहीं, पुलिस ने उनके पुराने अनुशासनहीनता के मामलों का भी जिक्र किया है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर भड़के धीरेंद्र शास्त्री, बोले-ये कलयुग के रावण

(जीएनएस)।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से कथित चोरी के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोपियों की तुलना रावण से करते हुए कहा कि जिन्होंने राम मंदिर के दान पात्र में गड़बड़ी की है, उन्होंने सिर्फ पैसे नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और भरोसा चुराया है। धीरेंद्र शास्त्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब मामले में FIR दर्ज होने के बाद 8 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच के लिए रक्ळ काम कर रहा है। इस घटना पर अपनी गहरी नाराजगी दिखाते हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा-"ये लोग आज के समय के रावण ही हैं, बस इनका रूप बदल गया है। रावण ने तो केवल माता जानकी की चोरी की थी, लेकिन इन्होंने राम मंदिर के दान पात्र से

लाखों-करोड़ों लोगों की श्रद्धा और आस्था को चुराया है। करोड़ों भक्तों का भरोसा टूटा है। हमें खबर मिली है कि इस मामले में FIR दर्ज हो चुकी है। हमारी मांग है कि इसकी और गहराई से जांच हो ताकि बाकी छिपे हुए लोग भी पकड़े जाएं।"

धीरेंद्र शास्त्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा-हम इतना साफ कह सकते हैं कि सच हमेशा सच ही रहता है। सीता माता को चुराने वाले रावण का पूरा वंश नष्ट हो गया था। राम मंदिर में चोरी करने वाले इन अपराधियों को देश का कानून और सरकार तो सजा देगी ही, लेकिन इसके साथ ही भगवान राम भी इन्हें 'महादंड' देंगे, जिससे ये कभी बच नहीं पाएंगे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

SIT की शुरूआती रिपोर्ट के आधार पर अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है।

## अफगानिस्तान में आया भूकंप, दिल्ली-एनसीआर तक डोली धरती, भारत के किन इलाकों में महसूस हुए झटके?

(जीएनएस)।

शनिवार, 27 जून की शाम अचानक आए भूकंप के तेज झटकों ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में लोगों को डरा दिया। कुछ ही सेकंड तक धरती हिलने का एहसास हुआ, लेकिन इतने समय में ही लोग घरों, दफ्तरों और दुकानों से बाहर निकल आए। कई इलाकों में लोग खुली जगहों पर इकट्ठा हो गए और एक-दूसरे से भूकंप की जानकारी लेने लगे।

झटके महसूस होने के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। शुरूआती जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश इलाके में था, जिसकी वजह से भारत के कई शहरों में कंपन महसूस हुआ। राहत की बात यह रही कि देर शाम तक किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई थी। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

**अफगानिस्तान में था भूकंप का केंद्र**

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ठउर) के मुताबिक शनिवार शाम करीब 7 बजकर 4 मिनट पर अफगानिस्तान के

हिंदूकुश क्षेत्र में 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 215 किलोमीटर की गहराई में था। गहराई ज्यादा होने के बावजूद इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए।

**दिल्ली-एनसीआर में लोग घरों से बाहर निकले**

भूकंप के झटके दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के कई इलाकों में महसूस किए गए। कई लोगों ने बताया कि पंखे, लाइट और घर में रखी दूसरी चीजें हिलने लगीं। इसके बाद लोग बिना देर किए इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ जगहों पर थोड़ी देर के लिए घबराहट का माहौल भी देखने को मिला।

**उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस हुआ असर**

सिर्फ दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के कई अन्य राज्यों में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। अलग-अलग शहरों से लोगों ने बताया कि उन्हें कुछ सेकंड तक जमीन हिलती हुई महसूस हुई। हालांकि कहीं भी लंबे समय तक कंपन नहीं रहा।

**नुकसान की कोई पुष्टि नहीं**

देर शाम तक किसी इमारत के गिरने, लोगों के घायल होने या किसी बड़े हादसे की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। स्थानीय प्रशासन और आपदा से जुड़ी एजेंसियां हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं। यदि किसी इलाके से नुकसान की सूचना मिलती है तो उसकी जांच की जाएगी।

**भूकंप के समय क्या करें**

विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप आने पर घबराने की बजाय शांत रहना जरूरी है। अगर आप किसी इमारत के अंदर हैं तो मजबूत मेज या फर्नीचर के नीचे सुरक्षित जगह लें और लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। यदि बाहर हैं तो खुली जगह पर रहें और इमारतों, बिजली के खंभों तथा बड़े पेड़ों से दूरी बनाए रखें। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक जानकारी को ही सही मानें।

## यूपी में जारी है उमस का सितम, 11 राज्यों में रेड अलर्ट, क्या दिल्ली में होगी बारिश?

(जीएनएस)।

देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। जून के आखिरी दिनों में मानसून की सक्रियता ने जहां दक्षिण, मध्य और पूर्वोत्तर भारत को सराबोर कर दिया है, वहीं उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में राहत और उमस भरी गर्मी का मिला-जुला असर दिख रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 29 जून को देश के करीब 11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वो घर से बाहर निकलते वक्त एक बार मौसम का अपडेट जरूर चेक करें, उसने आज जिन 11 राज्यों में आंधी -पानी की आशंका को व्यक्त किया है, ये राज्य हैं- उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिल नाडु और केरल।

**कैसा रहेगा दिल्ली में मौसम?**

देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां मौसम का मिला-जुला असर दिखाई दे रहा है। शनिवार सुबह दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई, जिससे तापमान में थोड़ी गिरावट तो आई लेकिन वातावरण में उमस का स्तर काफी बढ़ गया है तो वहीं यहां अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी, जिससे बीच-बीच में तेज धूल भरी हवाएं और हल्की बारिश होने की संभावना है। पूरी तरह से मानसूनी बारिश के लिए दिल्ली को अभी थोड़ा इंतजार करना होगा।

**उत्तर प्रदेश में जारी रहेगा उमस का सितम**

उत्तर प्रदेश के लोगों को अभी कुछ और दिन भीषण गर्मी और उमस का प्रकोप झेलना पड़ेगा। शनिवार को आगरा में अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने लोगों को बेहाल कर दिया।

### कौन हैं भारतीय CEO आलोक चौधरी, अमेरिका ने क्यों लगाया बैन? अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी

अमेरिका ने सूडान में जारी गृहयुद्ध को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक भारतीय उएड समेत आठ लोगों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।

अमेरिकी सरकार का आरोप है कि इन लोगों और कंपनियों ने सूडान में हथियार, विस्फोटक और दूसरी सैन्य सामग्री पहुंचाने में मदद की। इस सूची में भारतीय कंपनी रइछ एनर्जी लिमिटेड के CEO आलोक चौधरी का नाम भी शामिल है। अमेरिका का कहना है कि इस सप्लाई ने सूडान के संघर्ष को और लंबा किया।

## ट्रंप ने तेहरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों को बनाया निशाना

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुआ सीजफायर ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया। दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार, 26 जून को देर रात ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए।

इसके जवाब में ईरान ने भी मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान द्वारा एक कारोबारी जहाज पर किए गए ड्रोन हमले के जवाब में की गई है।

इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और वैश्विक व्यापार पर भी इसका असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

**अमेरिका ने क्यों किए ईरान पर हवाई हमले?**

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म " पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इस पूरी कार्रवाई की वजह बताई है। दरअसल,

अमेरिका-ईरान में टूटा सीजफायर

25 जून को सिंगापुर के झंडे वाला एक कमर्शियल (व्यापारी) मालवाहक जहाज, जिसका नाम 'ट/श एवर लवली' है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ओमान तट के पास से गुजर रहा था।

अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने इस शांतिपूर्ण व्यापारिक जहाज पर अचानक चार आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया। हालांकि, अमेरिकी वायुसेना ने मुस्तैदी दिखाते हुए 3 ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया, लेकिन एक ड्रोन जहाज के ऊपरी डेक (छत) पर जा गिरा, जिससे जहाज को काफी नुकसान पहुंचा।

CENTCOM ने अपने बयान में साफ कहा-"ईरानी सेना द्वारा व्यापारिक जहाजों पर किया गया यह बिना उकसावे वाला हमला सीधे तौर पर दोनों देशों के बीच हुए सीजफायर (युद्धविराम समझौते) का खुला उल्लंघन है। ईरान की इस खतरनाक हरकत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कॉरिडोर की सुरक्षा को खतरे में डाला है, जिसका जवाब देना बेहद जरूरी था।"

# कंट्रोल रूम, वीवीआईपी दर्शन और मंदिर मैनेजमेंट... राम मंदिर में अर्जुन का था अलग रसूख, 17 साल से नहीं हुआ ट्रांसफर

(जीएनएस)।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एसआईटी जांच में CCTV और वायरलेस सिस्टम की जिम्मेदारी संभालने वाले अर्जुन देव की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं. रिपोर्ट में काउंटिंग रूम की निगरानी, ट्रस्ट के कामकाज में दखल और उनकी लंबी तैनाती का भी जिक्र किया गया है.

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में एक खुलासा हुआ है. इस पूरे कांड की जांच कर रही रक्ळ ने अपनी रिपोर्ट में सीसीटीवी कंट्रोल रूम की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. चोरी के इस मामले में अब पुलिस के वायरलेस डिपार्टमेंट के अधिकारी अर्जुन देव भी सीधे जांच के घेरे में आ गए हैं. दरअसल, जिस कमरे में नोटों की गिनती होती थी, वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखने की मुख्य जिम्मेदारी इन्हीं के पास थी. इस खुलासे के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गई है.

जांच में यह साफ हुआ है कि अर्जुन देव अपनी मूल जिम्मेदारी संभालने के बजाय ट्रस्ट के बाकी कामों में जरूरत से ज्यादा एक्टिव रहते थे. मंदिर परिसर के भीतर वीवीआईपी लोगों को दर्शन कराने से लेकर पूरे मैनेजमेंट तक में उनका सीधा दखल था. राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव की तरह ही अर्जुन देव की इस भूमिका ने अब जांच टीम के कान खड़े कर दिए हैं. SIT रिपोर्ट के मुताबिक, इतनी बड़ी सुरक्षा चूक के पीछे इन लोगों की लापरवाही एक बड़ी वजह रही.

इस मामले का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह है कि अर्जुन देव साल 2009 से, यानी पिछले 17 सालों से अयोध्या में ही तैनात हैं. इस लंबे समय के दौरान कई बार उनका ट्रांसफर ऑर्डर जारी हुआ, लेकिन हर बार वे इसे रुकवाने में कामयाब रहे. हाल ही में लखनऊ से जारी हुआ उनका ट्रांसफर भी इसी वजह से रद्द हो गया था.

जांच में सामने आया है कि चंपत राय सहित ट्रस्ट के कई पदाधिकारियों से अर्जुन देव के बेहद करीबी रिश्ते हैं. इसी ऊंची पहुंच और जान-पहचान के चलते उनका ट्रांसफर बार-बार रुक जाता था. अब रक्ळ ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर सख्त आपत्ति जताई है कि सुरक्षा से जुड़े अहम पदों पर बैठे लोगों का जरूरत से ज्यादा दखल ही इस बड़ी चोरी की मुख्य वजह बना है.

फिलहाल रिपोर्ट में कई सवाल उठाए गए हैं. अब आगे की कार्रवाई जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के फैसले पर निर्भर करेगी.

# 'साधु-संत सजा भुगत रहे, कोई दान नहीं दे रहा', रामदास बाल योगी बोले- चढ़ावा चोरी का असर पूरी अयोध्या पर

**अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना का असर पूरे अयोध्या तीर्थ क्षेत्र पर हुआ है। अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चोरी करने वालों को प्रशासन सजा दे या नहीं उनको भगवान राम सजा जरूर देंगे।**

(जीएनएस)।

अयोध्याः राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना से यहां के साधु-संत नाराज हैं। उनका कहना है कि इस घटना से उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। अयोध्या के संत रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चढ़ावे की चोरी का असर पूरी अयोध्या पर है। राम मंदिर ही नहीं, अयोध्या के बाकी के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है और दान में भी कमी आई है।

**सजा पूरी अयोध्या भुगत रही**

अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा कि, 'श्रद्धालु नाराज हैं, श्रद्धालुओं में कमी आई है, चढ़ोत्तरी में भी कमी आई है और पूरे क्षेत्र में इसका असर है। राम मंदिर में कोई आता था तो हम लोगों के मंदिर में भी आता था। हम तो मां सरयू के तट पर हैं, तो तमाम श्रद्धालु शाम को आरती में आते हैं। अब लेकिन कमी आई है। जब चोरी करेंगे तो कैसे आपको दान मिलेगा? पूरी अयोध्या सजा भुगत रही है। और देखिएगा, भगवान राम इन चोरों को कभी माफ नहीं करेंगे। जिन्होंने चोरी की है उनको सजा प्रशासन से जो मिलनी होगी मिलेगी। या हो सकता है उन्हें बचाया जाए, लेकिन भगवान राम इनको नहीं बचाएंगे।'

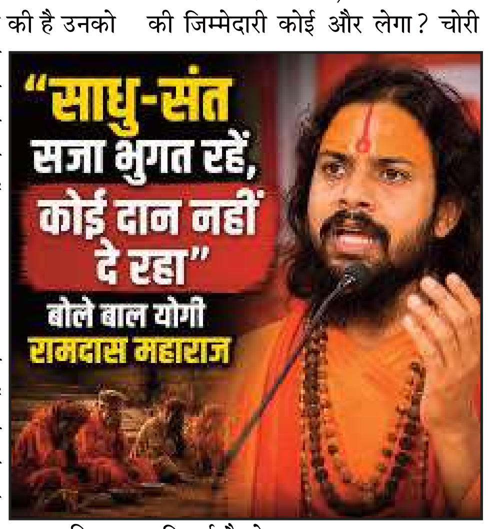


**चंपत राय ने चोरी की बात स्वीकर नहीं की थी**

रामदास बाल योगी महाराज ने राम मंदिर में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कि, 'अखिलेश यादव ने जब इस मामले को सोशल मीडिया पर उजागर किया तो सबको इसकी जानकारी मिली। उसके तत्काल बाद चंपत राय जी ने कहा कि गिनती सही है, यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, भ्रम फैलाया जा रहा है। वे इसको स्वीकार करने से इनकार रहे थे।'

**मंदिर का श्रेय लिया, चोरी की जिम्मेदारी कौन लेगा?**

उन्होंने कहा कि, 'राम मंदिर जब बन रहा था तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और सभी पदाधिकारियों ने बीजेपी के कार्यकताओं और आरएसएस के लोगों के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर प्रचार किया। मंदिर बना और उसका श्रेय भी उन्होंने लिया, तो आज चोरी की जिम्मेदारी कोई और लेगा? चोरी यदि हुई है तो क्या यह 10, 20 हजार, 50 हजार के वेतनभोगी कर्मचारियों ने की है? इनकी इतनी हैसियत है?'

**हजारों करोड़ की चपत लगाई गई**

उन्होंने कहा कि, 'इसके पूर्व में भी जमीनों के घोटाले तगड़े हुए। एक करोड़ की जमीनें 25-25 करोड़ में खरीदी गईं। उस समय भी यह लोग नहीं चेते। बताइए, रावण तो किशोरी जी को ले गया था, वह उस समय की बात थी। इन लोगों ने तो राम जी के साथ ऐसा किया, कि उनकी चरण पादुका, हार, नगद, 200 किलो चांदी... ऐसा जानकारी में है, और जो जानकारी में नहीं है.. इन लोगों ने न जाने कितने हजार करोड़ की चपत लगाई है। छोटी मछलियों को जेल भेज दिया गया, बड़ी मछलियों को सीधे बाहर कर दिया गया।'

**चोरी की बात पहले भी बताई गई थी**

रामदास बाल योगी ने कहा कि, 'यह ट्रस्ट है, कोई चोरी होती है,कोई दिक्कत होती है, तो हमारी भी जिम्मेदारी है। ऐसा कैसे हो सकता है? सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, सुरक्षा चाक-चौबंद है। इसके बीच चोरियां लगातार होती रहीं। इसके बारे में अनिल मिश्रा को पूर्व में बताया भी गया था। वहां जो पूर्व में इंजीनियर रहे हैं उन्होंने बताया कि 40-40 परसेंट कमीशन देना पड़ा। बताया गया कि गड्डियों में हेराफेरी होती थी।'

रामदास बाल योगी ने कहा कि, 'असलियत अखिलेश यादव ने उजागर की। असली राम भक्त तो वही हैं। इस पर आज भी सरकारी संत, गनर वाले संत बोलने को तैयार नहीं हैं। इतनी बड़ी घटना होने के बाद और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की ही रोटी खाते हैं, हम संत हैं। हम लोगों को राम और अयोध्या के नाम पर दान मिलता है और हमारे ठाकुर जी के मंदिर में ही चोरी हो रही है?'

# अयोध्या हनुमानगढ़ी से जुड़े महांत संतरामदास पंचतत्व में विलीन, सरयू तट पर दी गई मुखाग्नि

**हनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के महांत संतरामदास का 87 वर्ष की आयु में अयोध्या में साकेतवास हो गया। उन्हें सरयू तट पर अग्नि संस्कार दिया गया,**

(जीएनएस)।

अयोध्या। बजरंगबली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के महांत संतरामदास का पूर्वाह्न साकेतवास हो गया। वह 87 वर्ष के थे। गत कुछ माह से बीमार महांत का लखनऊ में इलाज चल रहा था। वैष्णव आस्था के अनुरूप अंतिम श्वांस अयोध्या में ही निकले, इसी भावना को ध्यान में रख कर वह दो दिन पूर्व ही अत्यंत आग्रहपूर्वक अयोध्या लौटे थे।

उनके साकेतवास की सूचना संत समाज और उनसे जुड़े विशाल परिकर को शोकाकुल करने वाली रही। संत परंपरा के अनुरूप उन्हें रथ में प्रतिष्ठित कर हनुमानगढ़ी से सरयू तट तक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

यद्यपि उन्हें संत परंपरा के अनुसार सरयू में जल समाधि देने की बजाय व्यक्तिगत इच्छा को ध्यान में रख कर उनका अग्नि संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार उनके तीनों प्रमुख शिष्य नंदरामदास, उमारामदास एवं राजूदास ने सामूहिक रूप से किया।

अंतिम प्रणाम करने वालों में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, निवार्णी अनी के पूर्व प्रधानमंत्री महांत माधवदास, हनुमानगढ़ी के सरपंच महांत रामकुमारदास, लक्ष्मणकिलाधीश महांत मैथिलीरमणशरण, शीर्ष कथाव्यास एवं हनुमन्निवास के महांत आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण, हनुमानगढ़ी से जुड़े महांत रामकरनदास मौजूद रहे।

इसके अलावा, हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी रमेशदास, मिथिलामणिमंडप के महांत अंजनीशरण, हनुमतसदन के महांत अवधकिशोरशरण, पूर्व महापौर रिषिकेश उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, भाजपा नेता अवधेश पांडेय बादल, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र आदि रहे।

सत्यनिष्ठा एवं बेबाकी के लिए जाने जाते रहे

बिहार प्रांत के भोजपुर जिलांतर्गत ग्राम डुमरी में पैदा हुए संतरामदास ने तरुणाई में ही साधु जीवन अंगीकार किया। उन्हें हनुमानगढ़ी में अति प्रभावी महांत सरयूदास से दीक्षित होने का अवसर मिला और वह जल्दी उनके कृपापात्र एवं उत्तराधिकारी के रूप में उभरे।

1986 में वह हनुमानगढ़ी की चार प्रतिष्ठापूर्ण पट्टी में से एक के महांत भी बनाए गए। गो-साधु सेवी संतरामदास अपनी सत्यनिष्ठा एवं बेबाकी के भी लिए जाने जाते रहे। उनके प्रशंसकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल थे और अपनी यात्रा के दौरान उनसे भेंट करना नहीं भूलते थे।

# लखनऊ अग्निकांडः एलडीए के पूर्व वीसी निकले दोषी, 100 से ज्यादा अधिकारियों-इंजीनियरों की सूची तैयार; पढ़ें रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ, अलीगंज अग्निकांड की जांच में एक पूर्व उपाध्यक्ष समेत कई अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जा रही है। जांच दल ने विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी है। वर्ष 2016 से 2026 तक संबंधित रहे अधिकारियों और अभियंताओं की भूमिका की जांच जारी है। आगे प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि अलीगंज अग्निकांड मामले में एलडीए के एक पूर्व वीसी भी जिम्मेदार ठहराए गए हैं। इस आईएएस अधिकारी के खिलाफ भी रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाएगी। मामले में अभी तक छह वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी अरविंद त्रिपाठी, वीवी मिश्रा, अरुण सिंह, संजय पांडेय, शिरीश वर्मा और डीके सिंह दोषी ठहराए जा चुके हैं।

एलडीए ने इनके खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेज दी है। ये अधिकारी अलग-अलग समय पर एलडीए में अहम जिम्मेदारियों पर रहे हैं। एलडीए की रिपोर्ट अभी तक नियुक्ति विभाग को नहीं मिली है। इन अफसरों पर कार्रवाई का अधिकार नियुक्ति विभाग को ही है।

अलीगंज अग्निकांड मामले में एलडीए के 100 से अधिक अधिकारियों और इंजीनियरों पर

शिकंजा कसने वाला है। अभी तक 18 इंजीनियरों और छह पीसीएस अफसरों की ही सूची शासन और एसआईटी को प्राधिकरण ने जांच और कार्रवाई के लिए भेजी थी।

जिन अफसरों और इंजीनियरों की सूची बनाई जा रही है, उनमें वर्ष 2016 से 2026 तक तैनात रहे अफसर व इंजीनियर शामिल हैं। यह सूची शासन और एसआईटी की सख्ती के बाद लंबी हुई है। संपत्ति, मानचित्र और विहित प्राधिकारी के कार्य से जुड़े अफसरों को एसआईटी ने शनिवार को बयान के लिए तलब भी किया है।

एसआईटी के बुलाने पर एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार और एक अपर सचिव शनिवार को शासन गए थे। उनसे अवैध निर्माण को लेकर हुई लापरवाही की जानकारी ली गई। यह भी पूछा कि आगे ऐसे हादसे न हों, इसके लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। संपत्ति के आवंटन, मानचित्र और अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के आदेश को वापस लिए जाने वाली फाइलें एलडीए ने सौंप दी है।

अब 100 से अधिक उन इंजीनियरों व अधिकारियों की रिपोर्ट भी भेजी जाएगी, जो अलीगंज इलाके में संपत्ति, मानचित्र, प्रवर्तन और विहित प्राधिकारी के कार्य से जुड़े रहे हैं। मामले में वीसी प्रथमेश कुमार से पुष्टि करने का प्रयास किया गया, पर उनसे बात नहीं हो सकी।

**इधर गुस्सा भी भड़क रहा**

वर्ष 2016 से लेकर अब तक अलीगंज क्षेत्र में तैनात रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आरोपी बनाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद अफसरों व इंजीनियरों में गुस्सा भड़क रहा है। इनका कहना है कि निर्माण करवाने के दोषियों पर कार्रवाई की जाए। सभी पर कार्रवाई की तलवार लटकाना न्याय नहीं है। सूची में उसका भी नाम शामिल किया जा रहा है, जो दो महीने भी तैनात रहा।

# लखनऊ में एक लाख के इनामी का एनकाउंटर... यूपी STF की गोली से हुआ ढेर, प्रॉपर्टी डीलर की हत्या में था आरोपी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने एक लाख रुपए के इनामी बदमाश संजय उर्फ संजीव को मुठभेड़ में मार गिराया. पुलिस के मुताबिक, वह मई 2026 में पीजीआई इलाके में दिनदहाड़े हुए प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह हत्याकांड का मुख्य शूटर था. आरोपी पर कई जिलों में हत्या समेत गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे.

यूपी के लखनऊ में एसटीएफ और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश संजय उर्फ संजीव के बीच मुठभेड़ हो गई. पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ इंदिरा कैनाल रोड पर उस समय हुई, जब एसटीएफ की टीम आरोपी की तलाश में वहां पहुंची थी. एसटीएफ का दावा है कि इस दौरान मुठभेड़ हो गई, जिसमें संजय को गोली लगी. इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पुलिस के मुताबिक, संजय उर्फ संजीव अंबेडकरनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के चक कोदार

गांव का रहने वाला था. उस पर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था. 27 मई को लखनऊ के पीजीआई इलाके में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की हत्या हुई थी. इस हत्याकांड के बाद से संजय फरार चल रहा था. उसकी तलाश के लिए कई टीमें लगाई गई थीं.

करीब एक महीने से यूपी पुलिस उसकी तलाश कर रही थी. एसटीएफ के अनुसार, शुक्रवार को इंदिरा कैनाल रोड पर आरोपी की मौजूदगी की सूचना मिली थी. इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की. पुलिस का कहना है कि इसी दौरान मुठभेड़ हो गई, जिसमें संजय को गोली लगी. घायल हालत में उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पुलिस का यह भी कहना है कि संजय का नाम अंबेडकरनगर, अयोध्या और बस्ती समेत कई जिलों में हत्या और अन्य संगीन अपराधों में सामने आ चुका था. जांच के मुताबिक, वह कुख्यात अपराधी दिलीप वर्मा और खान मुबारक गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर कई जघन्य वारदातों को अंजाम दे चुका था. फिलहाल पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका क्या थी और वे किन-किन आपराधिक मामलों में वांछित हैं.

# लखनऊ : मोहर्रम के जुलूस में सबील बांटने के दौरान गिरा छज्जा, दो बच्चों की मौत और आठ घायल

**लखनऊ के इटौंजा में मोहर्रम के जुलूस के दौरान सबील बांटते समय एक मकान का छज्जा गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए।**

(जीएनएस)।

लखनऊ। मोहर्रम के जुलूस के दौरान शुक्रवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। सबील लगाकर जुलूस में शामिल लोगों को खाने का सामान बांटने के दौरान मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे दबने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे में गंभीर रूप से घायल चार लोगों को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। एसीपी बीकेटी विकास पांडेय ने बताया कि इटौंजा के महोना में रात करीब 9:45 बजे मोहर्रम का जुलूस गुजर रहा था। इसी दौरान मुश्ताक अपने घर के बाहर टेंट लगाकर सबील चला रहे थे।

**अचानक भरभराकर गिरा छज्जा**

जुलूस में शामिल लोग वहां रुककर ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य सामग्री ग्रहण कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग मकान के सामने और छज्जे के नीचे एकत्र थे, जबकि कुछ लोग छज्जे के ऊपर खड़े होकर सामग्री वितरण कर रहे थे। इसी दौरान अचानक छज्जा भरभराकर नीचे गिर पड़ा।

मलबे में दबने से 12 वर्षीय अरमान और 12 वर्षीय अली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मो. हमजा, रुशदा, जियाउल, मन्ना, सना, अजमल, मो. हसीब और जियांग घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से रामसागर मिश्र सौ शैय्या अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने अरमान और अली को मृत घोषित कर दिया। डाक्टरों ने सना, अजमल, मो. हसीब और जियांग की हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

# लखनऊ : लौलई बिजली उपकेंद्र पर उपभोक्ताओं का हंगामा, प्रदर्शन-तोड़फोड़; जान बचाकर भागे कर्मचारी

**कांशीराम योजना के निवासियों ने बिजली कटौती से नाराज होकर लखनऊ के लौलई बिजली उपकेंद्र में तोड़फोड़ और प्रदर्शन किया, जिससे कर्मचारी जान बचाकर भागे।**

(जीएनएस)।

लखनऊ। बिजली न आने से नाराज कांशीराम योजना के निवासियों ने गोमतीनगर लौलई बिजली उपकेंद्र पर पहुंचकर तोड़फोड की और प्रदर्शन किया। कर्मचारियों से हाथापाई करने का प्रयास किया, इसके कारण तीन से चार कर्मचारी अपनी बाइक उपकेंद्र पर ही छोड़कर भाग गए और एक कर्मचारी जो भाग नहीं पाया उसने उपकेंद्र के अंदर छिपकर जान बचाई।

कर्मचारी ने उपकेंद्र का चैनल भीतर से बंद करके 112 नंबर पर पुलिस को फोन किया। लोगों ने पांच दो पहिया वाहनों की पेट्रोल टंकी व हेडलाइट डंडों से तोड़ दी। यही नहीं विंडो एसी को तोड़कर फेंक दिया और उसके डक्ट से पत्थर चलाकर जेई के कमरे में रखे कंप्यूटर की स्क्रीन और कुर्सियां तोड़ दी। शुक्रवार रात सवा दस बजे बिजली जाने के चालीस मिनट बाद ही पत्थर चलाते हुए बिजली उपकेंद्र पहुंच गए।

उपभोक्ताओं का आरोप था कि लौलई बिजली उपकेंद्र पर बिजली संकट आए दिन रहता है। शिकायतों के बाद भी स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। उपकेंद्र के बाहर रखे दर्जनों गमले उठा-उठाकर फेंकने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाने का प्रयास किया लेकिन उपभोक्ता नहीं माने। फिर चिनहट थाने पहुंची अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से उपभोक्ताओं को नियंत्रित किया गया।

**अज्ञात उपभोक्ताओं के खिलाफ दी तहरीर**

वहीं, बिजली विभाग के अभियंताओं ने चिनहट थाने में सौ से अधिक अज्ञात उपभोक्ताओं के खिलाफ तोड़फोड़ व सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने की तहरीर दी है। चिनहट इंस्पेक्टर डीसी मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिली है, कार्रवाई की जा रही है।

अधिशासी अभियंता धीरज यादव ने बताया कि कांशीराम कालोनी में ताजिया निकलने के कारण शुक्रवार दोपहर दो से ढाई घंटे बिजली एहतियातन काटनी पड़ी थी। फिर रात में एरियल बंच केबल जल गया। मौके पर टीम भेजकर इसे ठीक कराया जा

रहा था। तभी कांशीराम कालोनी के ब्लाक संख्या 69/15, 71/4, 73/02 व 73/01 व न्यू कांशीराम कालोनी के उपभोक्ता, जो बिजली संकट का सामना कर रहे थे, उपकेंद्र पहुंच गए।

क्षेत्र में देर रात पौने दो बजे बिजली आपूर्ति सामान्य कर ली गई। वहीं अमीनाबाद के गुलमर्ग क्षेत्र में सुबह छह बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक बिजली की आवाजाही बनी रही। अधिशासी अभियंता धर्मेन्द्र सक्सेना ने बताया कि एबी केबल व डीबी बाक्स में आग लगने के कारण यह समस्या आई थी, जिसे ठीक कर लिया गया है।

वहीं रायबरेली रोड स्थित अंबेडकर विश्वविद्यालय बिजली उपकेंद्र से संबंधित पुष्पेंद्र नगर के दुगार्पुरी में 16 घंटे बिजली संकट रहा। यहां हाई वोल्टेज के कारण कई उपभोक्ताओं के विद्युत उपकरण फुंक गए। उपभोक्ताओं के मुताबिक शुक्रवार रात 12 बजे से शनिवार शाम पांच बजे बिजली आ सकी। यहां उपभोक्ताओं को बिजली व पानी दोनों संकट का सामना करना पड़ा।

उधर हाई वोल्टेज से पंखे, इन्वर्टर, बल्ब फुंक गए। कुछ घरेलू उपकरण में आग भी लग गई। वहीं जगतखेड़ा में शनिवार सुबह एबी केबल धमाके से टूट कर गिर गई। यहां शिकायत के बाद कर्मचारी शाम चार बजे पहुंचे, तब जाकर मरम्मत का काम शुरू हो सका।

**चरण भट्टा रोड पर ट्रांसफार्मर की लीड में लगी आग**

अंबेडकर विश्वविद्यालय उपकेंद्र के अंतर्गत इंद्रापुरी चरण भट्टा रोड पर शुक्रवार रात ट्रांसफार्मर के आसपास लगी लीड में आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग को बुझाया गया। यहां रात साढ़े बारह बजे से रात तीन बजे तक बिजली संकट रहा। वहीं उतरेटिया में शुक्रवार रात 10 बजे गई बिजली शनिवार सुबह चार बजे आई। यहां भी एबी केबल जल गई थी।

क्षेत्र में बिजली सुबह नौ बजे फिर चली गई और शाम चार बजे सामान्य हो सकी। वहीं मीरा विहार, मधुबन विहार में बिजली की आवाजाही लगी रही। कुछ यही हाल बलदेव विहार, सरस्वतीपुरम, गांधीनगर, नीलमथा के सैनिक नगर, मलाख में भी बिजली की आवाजाही बनी रही।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

# सम्पादकीय

## आसिम पर मुनीर मड़रा रहा मोसाद रूपी खतारा !

जो लोग भी इजरायल और उसकी वुख्यात खुफिया एजेंसी मोसाद से वाकिफ हैं वह जानते हैं कि मोसाद राजनीतिक हत्याएं करवाने में माहिर है। इजरायल के इतिहास में ऐसे दर्जनों केस हैं जहां उसने अपने दुश्मनों के लीडरों को मौत के घाट उतारा है। ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है, 28 फरवरी को जब अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया था तो सबसे पहला काम मोसाद ने यह किया था कि उसने ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई व ईरान टॉप मिलिट्री कमांडरों की हत्या कर दी थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि इजरायल अमेरिका-ईरान के युद्ध विराम से बहुत निराश है और इन एमओयू को तुड़वाने की पूरी कोशिश कर रहा है। मध्य पूर्व में कई देशों में रहस्यमय हमले हो रहे हैं, यह कौन कर रहा है पता नहीं चल रहा है। हैरानी नहीं जब एक ताजा खबर आई कि मोसाद आसिम मुनीर और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की जेनेवा में हत्या का प्लान बना रहा था। समझौता तुड़वाने के लिए ईरानी लीडरशिप की हत्या भी करवा सकता है ताकि यह युद्ध विराम टूट जाए। मेरी भविष्यवाणी इस मायने में सफल हुई, हालांकि थोड़ा फर्क यह रहा कि मोसाद ईरानी लीडरों को तो निशाने पर नहीं ले पाया पर उसने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पर निशाना साधने की कोशिश जरूर की। बता दें कि ब्राजील के एक वरिष्ठ और जाने-माने पत्रकार पेपे एस्कोबार के इस सनसनीखेज दावे ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा कर दिया है। एस्कोबार ने दावा किया कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और स्विट्जरलैंड दौरे पर गए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की हत्या की साजिश रची थी। एस्कोबार ने दावा किया कि यह प्लान तब पेल हो गया जब पाकिस्तान की सेना को बेहद विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी कि इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निर्देश पर मोसाद जनरल आसिम मुनीर और पूरे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को निशाना बनाने की तैयारी कर दी थी। एस्कोबार ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने ओमान के माध्यम से इजराइल को कड़ा संदेश भेजा था कि यदि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल या जनरल आसिम मुनीर को नुकसान पहुंचाया गया तो उसका गंभीर जवाब दिया जाएगा। यह भी याद दिलाया गया कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। इसका मतलब साफ था। इन दावों के सामने आते ही पाकिस्तान ने यह सिरे से खारिज कर दिया। एआरवाई न्यूज के चेयरमैन कामरान खान ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी के हवाले से कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह बकवास और निराधार है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री शाहवाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर का स्विट्जरलैंड दौरा पूरी तरह सुरक्षित और बिना किसी सुरक्षा खतरे के पूरा हुआ। हत्या की साजिश का दावा वास्तविकता से कोई संबंध नहीं रखता और पूरी तरह काल्पनिक है। कटु सत्य तो यह है कि कोई भी एजेंसी ऐसी खबरों की कभी पुष्टि नहीं करता और उन्हें काल्पनिक ही बताता है।

# चाय-कॉफी पीते हुए 2 घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से लखनऊ, रेल मंत्री ने यूपी को दी बुलेट ट्रेन की सौगात

**यूपी में औद्योगिक क्रांति जेवर बनेगा इलेक्ट्रॉनिक्स हब**

**गौतम बुद्ध नगर में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास।**

**जेवर बनेगा देश का प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र।**

**दिल्ली-लखनऊ बुलेट ट्रेन से यूपी को मिलेगी नई गति।**

लखनऊ। गौतम बुद्ध नगर में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के शिलान्यास कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों अश्विनी वैष्णव व भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश व तकनीकी प्रगति को लेकर बड़ा भरोसा जताया। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा विजन दिया कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को जेवर ले आए हैं। इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह गर्व की बात है कि जिन इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद के लिए भारत पहले 40 हजार करोड़ रुपये का आयात करता था, अब उसका निर्माण भारत में ही होगा और जेवर इसका प्रमुख केंद्र बनेगा। सेमीकंडक्टर के बाद अब जेवर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का भी बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कई बड़ी परियोजनाएं स्थापित होंगी, जिससे यूपी देश के प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों में शामिल होगा।

**रेल मंत्री ने किया बुलेट ट्रेन का जिक्र**

रेल मंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना का जिक्र करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले बजट में बुलेट ट्रेन को स्वीकृति दी है। यह ट्रेन दिल्ली से लखनऊ, वाराणसी, पटना होते हुए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी तक जाएगी। दिल्ली से लखनऊ की दूरी मात्र 2 घंटे 10 मिनट और जेवर से लखनऊ की दूरी केवल 1 घंटे 40 मिनट में तय की जा सकेगी। आप आराम से गाड़ी में चाय-कॉफी पीते और बातचीत करते हुए लखनऊ पहुंच जाएंगे। प्रधानमंत्री जी का सपना पूरे ट्रांसपोर्ट नेटवर्क का कायाकल्प करना है। बेहतर कनेक्टिविटी से प्रदेश में औद्योगिक विकास को और गति मिलेगी।

**विकसित भारत के संकल्प में सर्वाधिक योगदान वाला प्रदेश बनेगा यूपी**

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी इस भूमि पूजन समारोह को सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बनाती, बल्कि यह उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने का प्रमाण है। कुछ सालों पहले तक उत्तर प्रदेश अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन आज प्रदेश औद्योगिक विकास, तकनीकी प्रगति और निवेश आकर्षित करने के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया के लिए एक विश्वसनीय, व सक्षम मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर बनकर उभरा है और उत्तर प्रदेश इस विश्वास का प्रमुख केंद्र बना है। मोदी जी के विजन और योगी जी के सक्षम नेतृत्व में राजनीतिक स्थिरता, पारदर्शी नीतियों, कुशल युवा शक्ति और मजबूत बुनियादी ढांचे ने उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक सप्लाई चेन का स्वाभाविक केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर किया

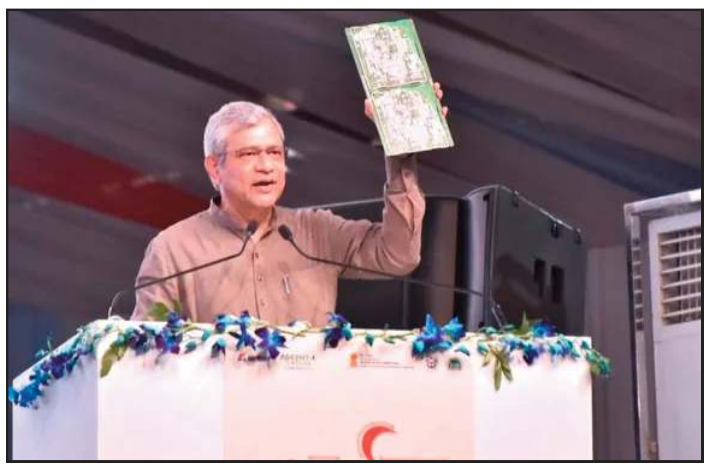

है। उन्होंने विश्वास जताया कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छूते हुए विकसित भारत के संकल्प में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य बनेगा।

**उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सराहा**

इस अवसर पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने यूपी को देश के सबसे भरोसेमंद औद्योगिक निवेश केंद्रों में से एक बताया। अंबर इंटरप्राइजेज के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं सीईओ जसबीर सिंह ने कहा कि यह केवल भूमि पूजन नहीं, बल्कि भारत की अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रॉनिक्स व मैन्युफैक्चरिंग की मजबूत नींव रखने का ऐतिहासिक अवसर है। यह पहल पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

**यह नया यूपी है, यहां रविवार को भी काम करती है सरकार**

जसबीर सिंह ने सीएम योगी, यूपी सरकार व यीडा का आभार प्रकट कहते हुए एक अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि जब लखनऊ में मुख्यमंत्री कार्यालय में शाम 7 बजे उन्हें भूखंड आवंटन पत्र दिए गए, तब उनके साथ आए कोरियाई प्रतिनिधि ने पूछा कि क्या उत्तर प्रदेश में रविवार को भी सरकार काम करती है। जब मैंने यह बात मुख्यमंत्री से साझा की तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था कि यह नया उत्तर प्रदेश है। यह दिन नहीं देखता, केवल आगे बढ़ने और प्रगति करने के लिए काम करता है।

**मुख्यमंत्री को दिया दक्षिण कोरिया आने का निमंत्रण**

इस अवसर पर कोरियन सर्किट्स के सीईओ यांग हो चो ने कहा कि यह पहली बार है जब मैं भारतीय भाषा में बोल रहा हूं। उन्होंने केंद्र व यूपी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व और उनकी टीम के अविश्वसनीय सहयोग ने ही इस दिन को संभव बनाया है। इतना अपनापन और स्वागत का अहसास कराने के लिए हम आभारी हैं।

कोरिया सर्किट्स और अंबर के बीच यह साझेदारी बेहद विशेष है, जिसमें दक्षिण कोरिया की उन्नत तकनीक और भारत की मजबूत विनिर्माण क्षमता का संगम देखने को मिलेगा। इस प्लांट में उन्नत एचडीआई पीसीबी का निर्माण किया जाएगा, जिनका उपयोग मोबाइल फोन, आईटी उत्पादों और मेमोरी मॉड्यूल में किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मंत्रियों को दक्षिण कोरिया आने और वहां की मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं का निरीक्षण करने का निमंत्रण भी दिया।

# 'मोदीजी यह जनादेश आपके लिए भी है, आपकी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बड़ी है', पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की ये बात बेटी ने बताई

**पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के बारे में काफी कुछ कहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बारे में अपने पिता प्रणब मुखर्जी की कही कुछ अहम बातें बताई हैं।**

(जीएनएस)।

गुरुग्रामः लेखिका और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक लेख लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी के 2014 में उम्मीदवारी के बारे में अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हवाले से लिखी है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा है कि आज के बदलते भू-राजनीतिक हालातों में पीएम मोदी ने देश को मजबूत और स्थिर नेतृत्व दिया है।

**पीएम मोदी के बारे में पिता की बात शेयर की थीः शर्मिष्ठा मुखर्जी**

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा-'मैंने एक लेख लिखा था जो कई हिंदी और क्षेत्रीय अखबारों में छपा था। उसमें मैंने 2014 के चुनाव और नरेंद्र मोदी जी के बारे में अपने पिता की एक बात साझा की थी। लोकसभा चुनाव के इतिहास में यह पहली बार था जब किसी नए चेहरे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था।

उन्होंने कहा-वरना, अगर आप कांग्रेस के अंदर भी देखें, तो चुनाव से पहले हमेशा एक धारणा होती है। खासकर अगर चुनाव पिछली सरकार के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लड़ा जा रहा हो- कि वही व्यक्ति अगला प्रधानमंत्री बनेगा। लेकिन इस मामले में, यह एक नया चेहरा था और उन्हें प्रधानमंत्री के तौर पर पेश किया गया था। और ऐसा लगा जैसे लोगों ने सिर्फ इखढ को नहीं, सिर्फ नरेंद्र मोदी जी की

पार्टी को नहीं, बल्कि भारत का नेतृत्व करने के लिए नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर चुना। तो यह एक बहुत ही अनोखी बात थी। यह बात मेरे पिता ने कही थी।

**जब प्रणब मुखर्जी बोले-मोदी आपकी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बड़ी है**

शमिष्ठा मुखर्जी ने कहा-'और यह भी अभूतपूर्व है कि पहली बार के सांसद नरेंद्र मोदी जी राजनीति में रहे हैं और गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी पहचान बनाई है और अपने आस-पास एक खास छवि बनाई है। लेकिन 2014 उनका पहला लोकसभा चुनाव था। तो भारत के इतिहास में शायद यह अभूतपूर्व है कि पहली बार का सांसद प्रधानमंत्री के तौर पर संसद भवन में प्रवेश कर रहा है। तो यह काफी अनोखा है... इसलिए जब चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी जी उनसे मिलने आए तो मेरे पिता ने उनसे कहा कि यह जनादेश सिर्फ आपकी पार्टी के लिए नहीं है, बल्कि यह आपके लिए भी जनादेश है, इसलिए आपकी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बड़ी है।'

बदलते भू-राजनीतिक हालातों में मोदी स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी और लेखिका शर्मिष्ठा मुखर्जी कहती हैं, '...मोदी एक मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं। जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है, खासकर आज के हालात में जब हम दुनिया भर में भू-राजनीतिक अनिश्चितता देख रहे हैं। इसलिए इस समय भारत के लिए एक मजबूत और स्थिर केंद्र सरकार और मजबूत नेतृत्व का होना बहुत जरूरी है और मुझे लगता है कि श्री मोदी इस बहुत ही अहम मोड़ पर भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं, खासकर विश्व राजनीति को ध्यान में रखते हुए।''

**शर्मिष्ठा मुखर्जी बोलीं-मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं**

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा-मेरे मन में इस बात की कोई प्रतियोगिता नहीं होनी चाहिए कि किसने क्या किया; कोई भी व्यक्ति या सरकार पूरी तरह से सही नहीं होती। लेकिन हर किसी ने ईमानदारी से कोशिश की और भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। सरकार की आलोचना करना विपक्ष का काम है और यह सही भी है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, सही मूल्यांकन कुछ समय बाद या दूर से ही हो पाता है। इसलिए मैं उस बारे में कुछ नहीं कहना चाहती। लेकिन नरेंद्र मोदी जी के बारे में एक बात जरूर कहना चाहूंगी कि आजाद भारत के सबसे मजबूत प्रधानमंत्रियों में से एक हैं, जो एक मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं।

**यूपीए-1 और यूपीए-2 में गठबंधन की राजनीति**

शर्मिष्ठा मुखर्जी बोलीं-'UPA 1 और UPA 2 के दौरान हमने देखा है कि गठबंधन की राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। समस्या यह है कि गठबंधन के सहयोगी दल लगातार सरकार को किसी न किसी तरह से धमकाते रहते हैं। और आप कोई कड़े नीतिगत कदम नहीं उठा पाते। इसलिए मोदी एक मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है, खासकर आज के हालात में जब हम दुनिया भर में भू-राजनीतिक अनिश्चितता देख रहे हैं। इसलिए इस समय भारत के लिए एक मजबूत और स्थिर केंद्र सरकार और मजबूत नेतृत्व का होना बहुत जरूरी है और मुझे लगता है कि मोदी इस बहुत ही अहम मोड़ पर भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं, खासकर विश्व राजनीति को ध्यान में रखते हुए।'

# जोफ्रा आर्चर ने विकेट के जश्न से बनाई दूरी, गेंदबाज से नाराजगी के चलते दिखाया गुस्सा, स्टोक्स ने लगाई क्लास

(जीएनएस)।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के अंतिम और बेहद महत्वपूर्ण मुकाबले के दूसरे दिन क्रिकेट फैंस को एक अप्रत्याशित नजारा देखने को मिला। खेल के दौरान इंग्लिश टीम के खिलाड़ियों के बीच उपजा आपसी मनमुटाव और गुस्सा लाइव कैमरों के सामने पूरी तरह उजागर हो गया, जिसने ड्रेसिंग रूम के माहौल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह पूरा वाकया उस समय शुरू हुआ जब न्यूजीलैंड की पहली पारी आगे बढ़ रही थी और कप्तान ने गेंद जोफ्रा आर्चर को सौंपी थी। आर्चर की एक बेहतरीन और गति से चकमा देती गेंद पर कीवी बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल ने एक बेहद कमजोर शॉट खेला, लेकिन वहां फील्डिंग कर रहे युवा स्पिनर शोएब बशीर ने एक बेहद आसान सा कैच टपका दिया।

**बशीर ने झटके लगातार दो बड़े विकेट, पर आर्चर का गुस्सा नहीं हुआ कम**

अपनी गेंद पर इतना आसान विकेट गंवाने के बाद तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने मैदान पर ही बशीर को घूरना शुरू कर दिया। इसके बाद अगला ओवर डालने आए शोएब बशीर ने शानदार वापसी करते हुए पहले नाथन स्मिथ और फिर उसी ओवर में सेट बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल को भी चलता कर दिया।

एक ही ओवर में दो विकेट गिरने के बाद पूरी इंग्लिश टीम मैदान के बीच में जश्न मनाने के लिए एक-दूसरे के ऊपर कूदने लगी। लेकिन बशीर की उस पुरानी गलती से बुरी तरह आहत और नाराज चल रहे जोफ्रा आर्चर इस टीम सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने बिल्कुल नहीं आए और वे सीमा रेखा के पास अकेले खड़े होकर अपना गुस्सा जाहिर करते रहे।

**बेन स्टोक्स ने बनाया आर्चर पर दबाव**

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने तुरंत बीच मैदान से बेहद कड़े लहजे में उंगली का इशारा करते हुए आर्चर को डांटा और उन्हें जबरदस्ती खिलाड़ियों के उस ग्रुप के पास आने के लिए मजबूर किया जहां बशीर खड़े थे।

कप्तान के भारी दबाव के बाद जोफ्रा आर्चर बशीर के करीब तो आ गए, लेकिन उनके चेहरे पर साफ तौर पर बेरुखी और नाराजगी देखी जा सकती थी। जब बशीर ने खेल भावना दिखाते हुए आर्चर की तरफ हाथ बढ़ाया, तो इस तेज गेंदबाज ने मुंह फेरते हुए सरेआम हाथ मिलाने से पूरी तरह इनकार कर दिया, हालांकि बशीर ने जबरन उन्हें हाई-फाइव दिया। इससे मामला शांत हो गया।

# रकुल प्रीत से शादी के बाद मैरेज को कहा 'सिचुएशनशिप', अब डेटिंग ऐप पर दिखे जैकी भगनानी? इंटरनेट हैरान!

(जीएनएस)।

एक्टर और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी किसी फिल्म या बयान से जुड़ी नहीं, बल्कि एक कथित डेटिंग ऐप प्रोफाइल है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक्सक्लूसिव डेटिंग ऐप 'राया' से जुड़े कुछ पुराने स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहे हैं।

इन तस्वीरों में जैकी के नाम से एक प्रोफाइल दिखाई दे रही है, जिसके बाद इंटरनेट पर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि इन स्क्रीनशॉट की सच्चाई की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच कई लोग प्रोफाइल में दिखाई दे रही एक बड़ी गलती की ओर भी ध्यान दिला रहे हैं। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब कुछ महीने पहले जैकी अपने 'सिचुएशनशिप' वाले बयान को लेकर भी सुर्खियों में रहे थे।

**रेडिट पर वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट**

वायरल हो रहे स्क्रीनशॉट सबसे पहले एक यूट्यूबर के वीडियो में सामने आए थे। इनमें 'Jackky' नाम की एक प्रोफाइल दिखाई देती है, जिसके बायो में Actor/Peoducer लिखा गया है। खास बात यह है कि Producer शब्द की स्पेलिंग गलत लिखी हुई नजर आती है। प्रोफाइल में लोकेशन लंदन, यूनाइटेड किंगडम बताई गई है।

**यूजर्स ने उठाए कई सवाल**

स्क्रीनशॉट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने इसे देखकर हैरानी जताई, जबकि कई यूजर्स ने बायो में मौजूद स्पेलिंग की गलती को आधार बनाकर प्रोफाइल की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह प्रोफाइल वास्तव में जैकी भगनानी की है या किसी और ने बनाई थी। यह भी जानकारी सामने नहीं आई है कि यह अकाउंट अभी एक्टिव है या नहीं।

**क्या है राया ऐप?**

राया एक प्राइवेट और एक्सक्लूसिव मेंबरशिप वाला प्लेटफॉर्म है, जो सामान्य डेटिंग ऐप्स से अलग माना जाता है। यहां सिर्फ डेटिंग ही नहीं, बल्कि नेटवर्किंग और नए लोगों से जुड़ने की सुविधा भी मिलती है। इस ऐप का इस्तेमाल करने के लिए पहले आवेदन करना पड़ता है। इसके बाद हर आवेदन की जांच की जाती है और मंजूरी मिलने पर ही

सदस्यता दी जाती है। यही वजह है कि यह ऐप सेलेब्रिटीज, इन्फ्लुएंसर्स और हाई-प्रोफाइल लोगों के बीच काफी लोकप्रिय माना जाता है।

**'सिचुएशनशिप' वाले बयान पर मचा था विवाद**

यह पूरा मामला उस बयान के बाद फिर चर्चा में आया है, जो जैकी भगनानी ने अप्रैल में एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान दिया था। शादीशुदा जीवन पर बात करते हुए उन्होंने कहा था कि उनकी और रकुल प्रीत सिंह की शादी हो चुकी है, लेकिन वे एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि दोनों एक-दूसरे के प्रति पूरी तरह कमिटेड हैं और किसी भी विषय पर खुलकर बात कर सकते हैं।

**पत्नी रकुल प्रीत सिंह ने दी थी सफाई**

जैकी के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ गई थी। इसके बाद रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि एक घंटे की बातचीत में कही गई सिर्फ एक लाइन को अलग संदर्भ में पेश कर दिया गया। उनके मुताबिक किसी भी बयान को समझने के लिए पूरा संदर्भ देखना जरूरी होता है और सिर्फ क्लिकबेट बनाने के लिए बातों को तोड़-मरोड़कर पेश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि अब समय आ गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनी हेडलाइन और नैरेटिव को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी दिखाएं।

**लॉकडाउन में शुरू हुई थी दोनों की लव स्टोरी**

जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह के रिश्ते की शुरूआत कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने साल 2024 में गोवा में शादी की थी। तब से दोनों अक्सर अपने निजी जीवन और सार्वजनिक बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं।

# सुनील शेट्टी बोले- प्रधानमंत्री मोदी में कुछ तो मैजिकल है

(जीएनएस)।

सुनील शेट्टी ने कहा कि ''मैंने हमेशा कहा है कि मैं उनका (पीएम मोदी) बहुत बड़ा फैन हूं। मैं किसी पार्टी की बात नहीं कर रहा हूं, मैं एक लीडर की बात कर रहा हूं।''

सुनील शेट्टी ने कहा कि वह पीएम मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए अपनी 15 महीने की नातिन से जुड़ा दिल छू लेने वाला किस्सा साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मैं उनका (पीएम मोदी) बहुत बड़ा फैन हूं। मैं किसी पार्टी की बात नहीं कर रहा हूं, मैं एक लीडर की बात कर रहा हूं। वह मुझे प्रेरित करते हैं। जितना मैं अपने देश से प्यार करता हूं, उतना ही मैं उनसे प्यार करता हूं। उनमें कुछ खास है। मेरी नातिन इवारा भी मोदी जी की फैन है। वह प्रधानमंत्री की तस्वीर को हर रोज बड़े प्यार से लड्डू खिलाती है।'

अभिनेता ने टाइम्स नाउ के साथ बातचीत में कहा, 'आप मानोगे नहीं, मेरी 15 महीने की नातिन की नैनी ने एयरपोर्ट के बाहर एक तस्वीर दिखाकर उसे बताया कि ये मोदी जी हैं। आज हर रोज वह सुबह आती है, साईं बाबा की किताब में मोदी जी की एक बड़ी सी फोटो है। वह उसे खोलकर मोदी जी, मोदी जी बोलती है। गणपति जी के पास से एक लड्डू लेकर आती है और उन्हें खिलाती है।'

**'ये करने को मैंने उससे नहीं बोला'**

अपनी बात को जारी रखते हुए उन्होंने आगे कहा, 'ये करने को मैंने उससे नहीं बोला। न ही उसकी मां और नैनी ने बोला है। बस उसे मोदी जी की फोटो दिखाई थी। अब कुछ तो होगा ना, कोई तो बात होगी उनमें। वो अकेली बच्ची नहीं है। हमने उससे कुछ नहीं कहा है। ये कुछ तो मैजिकल है ना।'

# गौरव खन्ना की जिंदगी में आया भूचाल, पत्नी आकांक्षा चमोला ने 'लॉक अप 2' में किया तलाक का ऐलान, बिग बॉस बनी वजह?

(जीएनएस)।

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' की शुरूआत के साथ ही दर्शकों को कई बड़े खुलासे देखने को मिल रहे हैं। शो के प्रीमियर एपिसोड में टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि वह और उनके पति, टीवी एक्टर गौरव खन्ना, अब तलाक लेने जा रहे हैं।

आकांक्षा ने यह भी बताया कि दोनों पिछले एक साल से अलग-अलग रह रहे हैं। अब तक इस बात को उन्होंने सार्वजनिक नहीं किया था, लेकिन शो के दौरान उन्होंने पहली

बार खुलकर अपनी शादी और रिश्ते के बारे में बात की। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी चर्चा शुरू हो गई है और फैंस इस खबर पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

शो के होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख से बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा कि वह और गौरव खन्ना अब तलाक की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं, लेकिन अब तक इस बात को किसी के सामने नहीं रखा गया था।

उन्होंने इसे अपना सबसे बड़ा सीक्रेट बताते हुए पहली बार कैमरे पर साझा किया।

आकांक्षा ने साफ किया कि यह फैसला किसी झगड़े या मनमुटाव की वजह से नहीं लिया गया। उनके मुताबिक, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि आज भी दोनों के बीच बातचीत होती है और रिश्ते में किसी तरह की कड़वाहट नहीं है।

# प्रतापगढ़ से लखनऊ के लिए एसी बस का नियमित संचालन शुरू, 4 घंटे में पहुंचाएगी; किराया और टाइमिंग भी जान लें

**प्रतापगढ़ से लखनऊ के लिए एसी बस सेवा का नियमित संचालन शुरू हो गया है, जो यात्रियों को 4 घंटे में पहुंचाएगी और किराया 333 रुपये होगा।**

**प्रतापगढ़ से लखनऊ के लिए एसी बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को सुविधा मिली।**

**प्रतापगढ़ से लखनऊ के लिए एसी बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को सुविधा मिली।**

**सुबह 8.10 बजे प्रतापगढ़ डिपो से एसी बस होगी रवाना, सवा 12 बजे पहुंचेगी लखनऊ**

**यात्रियों की सुविधा के लिए यूपी रोडवेज जल्द ही तीन और एसी बसों के संचालन की उम्मीद**

(जीएनएस)।

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ डिपो की बसों से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। डिपो से लखनऊ के लिए एसी बस का नियमित संचालन शुरू हो गया है। तीन और एसी बसों को यहां से चलाने की तैयारी रोडवेज ने की है। इससे यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी और सफर आरामदायक होगा। चार घंटे में प्रतापगढ़ से लखनऊ पहुंच सकेंगे।

**अर्से से एसी बस संचालन की मांग थी**

प्रतापगढ़ डिपो से 79 रोडवेज बसों का संचालन होता है। दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, वाराणसी सहित रूट पर बसें चलती हैं। डिपो से एसी बसों के संचालन की मांग काफी समय से की जा रही थी। वर्ष 2014 में प्रतापगढ़ डिपो से एक एसी बस का संचालन शुरू हुआ था, लेकिन एक हफ्ते में ही संचालन ठप हो गया था।

लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर लखनऊ डिपो से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से एसी बसों का संचालन होता है, लेकिन ये बसें हाईवे से सीधे निकल जाती हैं। प्रतापगढ़ डिपो पर ये बसें नहीं पहुंचती हैं। इन एसी बसों से सफर के लिए यात्रियों को ढाबे की परिक्रमा करनी पड़ती है।

हालांकि अब जनपद के यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि लखनऊ के लिए एक एसी रोडवेज बस का संचालन शुरू हो गया है। यह बस नियमित चलेगी। डिपो से यह बस सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर चलकर दोपहर सवा 12 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वहां से दोपहर पौने तीन बजे यह प्रतापगढ़ डिपो के लिए रवाना होगी।

**कितना देना होगा किराया?**

प्रतापगढ़ डिपो से लालगंज के लिए यात्रियों को 62 रुपये, सलवन के लिए 119 रुपये, रायबरेली के लिए 180 रुपये किराया देना होगा। आलमबाग लखनऊ के लिए 333 रुपये किराया होगा। एसी बसों से आरामदायक यात्रा होगी। एआरएम सत्य प्रकाश ने बताया कि बस का संचालन शुरू हो गया है। जल्द ही तीन और एसी बसों के संचालन की तैयारी है।

# अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर सीएम योगी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दीं शुभकामनाएं

**अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर सीएम योगी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दीं शुभकामनाएं**

**अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस (अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस) के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।**

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस (अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस) के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "आज 'अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस' के अवसर पर उत्तर प्रदेश की उद्यमशीलता, युवा सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी।"

उन्होंने आगे लिखा, "इस अवसर पर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर में यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के चतुर्थ संस्करण की कर्टेन रेजर सेरेमनी के साथ ही ओडीओपी एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूल किट, एमएसएमई इकाइयों एवं तकनीकी उन्नयन योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी चेक तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास

अभियान के लाभार्थियों को सहायता राशि का वितरण किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकर्स का सम्मान भी होगा।

सीएम योगी ने लिखा कि इसके उपरांत 2,479 करोड़ रुपए की लागत से सेक्टर-96 स्थित नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक भवन सहित 70 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ विकास के एक नए अध्याय का शुभारंभ होगा। आइए, आत्मनिर्भर, उद्यमी और 'विकसित उत्तर प्रदेश' की इस विकास यात्रा के सहभागी बनें।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) दिवस के अवसर पर सभी उद्यमियों, नवोन्मेषकों और कर्मशील नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सीएम धामी ने आगे लिखा, "एमएसएमई क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो रोजगार सृजन, नवाचार और आत्मनिर्भरता को नई गति प्रदान कर रहा है। विशेष रूप से उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यम न केवल युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं, बल्कि पलायन रोकने और समृद्ध ग्राम्य अर्थव्यवस्था के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग दिवस पर प्रदेश के उद्यमियों, स्टार्टअप्स, कारीगरों एवं श्रमिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।" उन्होंने आगे लिखा कि आप सभी के परिश्रम, नवाचार और उद्यमशीलता से मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। एमएसएमई आत्मनिर्भर भारत के साथ-साथ विकसित मध्य प्रदेश के निर्माण की भी मजबूत आधारशिला हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने नवाचार, परिश्रम और उद्यमशीलता के माध्यम से प्रदेश एवं देश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान कर रहे सभी उद्यमियों को एमएसएमई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! उन्होंने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी डबल इंजन सरकार उद्यम, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देकर एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में ACP अधिकारियों में कई बदलाव, कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने जारी किया आदेश

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने के क्रम में कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने पांच सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के तबादले का आदेश जारी किया है। उन्होंने पांच अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

लखनऊ के पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने शनिवार को पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक फेरबदल किया। पुलिस आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी आदेश के तहत सहायक पुलिस आयुक्त (अउढ) स्तर के पांच अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

लखनऊ पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी किए गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि ट्रांसफर आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। एसीपी जल्द ही नए पदों पर ज्वाइंन करेंगे।

जारी की गई ट्रांसफर सूची के तहत सहायक पुलिस आयुक्त महेश त्यागी को एसीपी यातायात बनाया गया है। इस पद पर ट्रांसफर करने के बाद एसीपी महेश त्यागी से उम्मीद की जा रही है कि राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक बनाने की दिशा में काम करेंगे। अतुल कुमार पाण्डेय को एसीपी गाजीपुर की जिम्मेदारी दी गई है। गाजीपुर क्षेत्र राजधानी लखनऊ के महत्वपूर्ण और व्यस्त इलाकों में शामिल है, जहां कानून-व्यवस्था के साथ-साथ अपराध नियंत्रण की चुनौती है। ऐसे में संवेदनशील क्षेत्र की जिम्मेदारी अतुल कुमार पांडे को सौंप गई है।

एसीपी मलिहाबाद के पद पर तैनात रहे सुजीत कुमार दुबे को ट्रांसफर करते हुए एसीपी कैंट बनाया गया है। एसीपी कैंट के पद की जिम्मेदारी निभा रहे ज्ञानेन्द्र सिंह का ट्रांसफर कर उन्हें एसीपी मलिहाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन दोनों अधिकारियों की आपस में तैनाती बदल दी गई है। प्रतीक दहिया को एसीपी साइबर, यूपी-112 एवं लाइंस की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साइबर अपराधों में लगातार बढ़ोतरी और आपातकालीन पुलिस सेवाओं के बेहतर संचालन को देखते हुए यह पद काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में साइबर क्राइम पर लगाम लगाने और आवास सेवाओं को बेहतर करने के लिए एसीपी प्रति दहिया को जिम्मेदारी दी गई है।

## जानिए किसको कहां मिली तैनाती

**सहायक पुलिस आयुक्त महेश त्यागी को एसीपी यातायात बनाया गया.**

(जीएनएस)।

लखनऊः पुलिस कमिश्नरेट में शनिवार को प्रशासनिक फेरबदल किया गया है. पुलिस आयुक्त की ओर से जारी आदेश के तहत सहायक पुलिस आयुक्त (अउढ) स्तर के पांच अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं. लखनऊ पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी किए गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है किया ट्रांसफर आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा. जल्द ही नए पदों पर एसीपी ज्वाइंन करेंगे.

**इनके हुए ट्रांसफर**

जारी की गई ट्रांसफर सूची के तहत सहायक पुलिस आयुक्त महेश त्यागी को एसीपी यातायात बनाया गया है. इस पद पर ट्रांसफर करने के बाद एसीपी महेश त्यागी से उम्मीद की जा रही है कि राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक बनाने की दिशा में काम करेंगे. इसी तरह अतुल कुमार पाण्डेय को एसीपी गाजीपुर की जिम्मेदारी दी गई है. गाजीपुर क्षेत्र राजधानी के महत्वपूर्ण और व्यस्त इलाकों में शामिल है, जहां कानून-व्यवस्था के साथ-साथ अपराध नियंत्रण की चुनौती है. ऐसे में संवेदनशील क्षेत्र की जिम्मेदारी अतुल कुमार पांडे को सौंप गई है.

सुजीत कुमार दुबे जो एसीपी मलिहाबाद के पद पर तैनात थे, उन्हें ट्रांसफर करते हुए एसीपी कैंट बनाया गया है. वहीं एसीपी कैंट के पद की जिम्मेदारी निभा रहे ज्ञानेन्द्र सिंह का ट्रांसफर कर उन्हें एसीपी मलिहाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है. दोनों अधिकारियों की आपस में तैनाती बदल दी गई है.

प्रतीक दहिया को एसीपी साइबर, यूपी-112 एवं लाइंस की जिम्मेदारी सौंपी गई है. साइबर अपराधों में लगातार बढ़ोतरी और आपातकालीन पुलिस सेवाओं के बेहतर संचालन को देखते हुए यह पद काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, ऐसे में साइबर क्राइम पर लगाम लगाने और आवास सेवाओं को बेहतर करने के लिए एसीपी प्रति दहिया को जिम्मेदारी दी गई है.

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में कई ACP बदले

महेश त्यागी एसीपी ट्रैफिक बनाए गए

अतुल कुमार पांडे एसीपी गाजीपुर बने

सुजीत कुमार दुबे एसीपी कैंट बनाए गए

ज्ञानेंद्र सिंह एसीपी मलिहाबाद बनाए गए

प्रतीक दहिया एसीपी साइबर और यूपी 112।

# सीएम योगी आज हाथरस में, 80 मिनट रहेंगे, योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास संग होगी जनसभा

(जीएनएस)।

हाथरस, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 28 जून को हाथरस के यूपीसीडा सलेमपुर (औद्योगिक क्षेत्र) में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों में शनिवार रात तक जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंकी। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए आगरा जोन से भारी मात्रा में पुलिस बल शनिवार को पहुंच गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज हाथरस आ रहे हैं। वह यहां कुल एक घंटा 20 मिनट (80 मिनट) का समय बिताएंगे। इस दौरान वह सलेमपुर औद्योगिक क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे और विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे।

जिला प्रशासन को मिले कार्यक्रम के अनुसान मुख्यमंत्री रविवार की सुबह 11:20 बजे सलेमपुर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित हेलीपैड पर उतरेंगे। इसके बाद वह कार से सुबह 11:30 बजे मुख्य कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। दोपहर साढ़े 12 बजे तक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद दोपहर 12:40 बजे हेलीकॉप्टर से आगरा रवाना हो जाएंगे। शनिवार की शाम को अधिकारियों ने जनसभा स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। मौके पर मिली कमियों को भी दूर कराया गया।

**जनसभा की तैयारियों को देर रात तक दिया अंतिम रूप**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 28 जून को जनपद के यूपीसीडा सलेमपुर (औद्योगिक क्षेत्र) में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों में शनिवार रात तक जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंकी। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए आगरा जोन से भारी मात्रा में पुलिस बल शनिवार को पहुंच गया। देर शाम कार्यक्रम स्थल पर ड्यूटी पर लगे अधिकारी व कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया। शनिवार को जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने सलेमपुर स्थित कार्यक्रम स्थल का गहन निरीक्षण किया।

जनसभा स्थल पर प्रवेश के लिए तीन गेट बनाए गए हैं। एक वीआईपी गेट रहेगा। इसके साथ ही आम लोगों की पार्किंग के साथ-साथ वीआईपी पार्किंग बनाई गई है। कार्यक्रम स्थल के सामने स्थित राजकीय महामाया आईटी पॉलिटेक्निक को सेफ हाउस बनाया गया है। इसी परिसर में सेफ हॉस्पिटल भी बनाया गया है। सीएम के आगमन के कारण गेट के आगे कच्चे रास्ते को पक्का किया गया है। सीएम की सुरक्षा में करीब 1510 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं।

# 450 बसों से आएंगे भाजपाई और समूह की महिलाएं, सीएम योगी की जनसभा में गर्मी से निपटना होगी बड़ी चुनौती

**सीएम योगी आदित्यनाथ की हाथरस जनसभा में 20 हजार लोगों को लाने का लक्ष्य है, जिसके लिए 450 बसें लगाई गई हैं।**

**20 हजार लोगों को लाने का लक्ष्य, 450 बसें लगाई गईं। गर्मी से बचाव हेतु कूलर, पंखे, ओआरएस की व्यवस्था।**

(जीएनएस)।

हाथरस। सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा रविवार की दोपहर साढ़े ग्यारह बजे से शुरू होगी। आज शनिवार को सभी सातों ब्लाक कार्यालयों पर प्राइवेट बसें भाजपा कार्यकताओं और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लाने के लिए लगा दी गई हैं। इनके अलावा प्रधान और पंचायत सहायक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आशा भी सीएम को सुनने पहुंचेंगी।

मगर भीषण गर्मी में जनसभा में कितनी भीड़ पहुंचेगी ? ये रविवार को जन सभा के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। भाजपा के पदाधिकारियों और प्रशासन को कम से कम 20 हजार लोगों को जनसभा में लाने का लक्ष्य दिया गया था। इनमें कुछ भाजपा कार्यकर्ता और कुछ समूह की महिलाएं, पंचायत सहायक, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं।

प्राइवेट बसें हाथरस, मुरसान, सादाबाद, सहपऊ, हसायन, सासनी, सिकंदराराऊ ब्लाक कार्यालय पर लगा दी गई हैं जो रविवार की सुबह करीब नौ बजे जनसभा स्थल के लिए रवाना होंगी। जनसभा में 20 लोगों की भीड़ को पहुंचाने के लिए अधिकारियों की एक टीम लगाई गई है।

**सचिव और प्रधानों को सौंपी भोजन की जिम्मेदारी**

कार्यकताओं और महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सब्जी-पूडी के पैकेट देने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत सचिव और प्रधानों को सौंपी गई। ताकि कोई भूखा न रहे। भोजन के साथ पानी की एक बोतल भी दी जाएगी।

सभा को करीब 20 हजार कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों को लाने का लक्ष्य दिया गया है। गर्मी से कार्यकर्ताओं को बचाने के लिए ओआरएस युक्त पानी और 200 कूलर और करीब एक हजार से अधिक से पंखों का इंतजाम किया गया है।

# कानपुर-लखनऊ रूट पर डायवर्जन से बक्सर रोड पर रेंगे वाहन

(जीएनएस)।,

चौडगरा। कानपुर-लखनऊ रूट पर डायवर्जन का असर बक्सर-लखनऊ मार्ग पर साफ दिखाई दे रहा है। चौडगरा से दूधीकगार मोड़ तक नेशनल हाईवे पर लंबी कतारें लग गईं और यातायात रेंग-रेंगकर आगे बढ़ता रहा।

कानपुर-जाजमऊ गंगा पुल पर मरम्मत कार्य के चलते शुक्रवार रात 10 बजे से भारी वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। इसके बाद इस रूट से गुजरने वाले वाहनों को चौडगरा होकर बक्सर रोड के रास्ते लखनऊ भेजा जा रहा है। यह डायवर्जन 26, 27 और 28 जून को रात 10 बजे से लेकर सोमवार सुबह आठ बजे तक प्रभावी रहेगा।

डायवर्जन के कारण बक्सर रोड पर नूरपुर, भउनाखेड़ा, दूधी कगार, मवइया, कुम्हारनखेडा, बक्सर, उन्नाव और लखनऊ की ओर जाने वाले वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया है। स्थिति यह है कि कई स्थानों पर वाहनों की गति बेहद धीमी हो गई है। जाम खुलवाने के प्रयास में पुलिस लगातार जुटी हुई है लेकिन भीड़ अधिक होने से राहत नहीं मिल पा रही है। बक्सर मोड़ पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

## कराची में रेंजर्स मुख्यालय के पास बड़ा हमला, धमाकों और गोलीबारी से दहला पूरा इलाका, 9 की मौत

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के कराची शहर में शनिवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। यह घटना गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-6 में स्थित पाकिस्तान रेंजर्स के एक संवेदनशील क्षेत्र के पास हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले जोरदार धमाका हुआ और उसके तुरंत बाद कई राउंड फायरिंग शुरू हो गई। शुरूआती जानकारी में इसे आत्मघाती हमला बताया जा रहा है, जिसमें एक हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया और उसके बाद उसके साथियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया। इस घटना में 9 लोगों की मौत की सूचना सामने आई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। बाद में सामने आया कि इस हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली है, जो TTP का एक अलग हुआ आतंकी गुट माना जाता है। कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में स्थित ब्लॉक-6 के पास यह हमला हुआ। यह इलाका कई यूनिवर्सिटियों और अहम सड़कों से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण यह हमेशा भीड़भाड़ और संवेदनशील माना जाता है। स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले एक बहुत तेज धमाका हुआ जिसने आसपास की इमारतों और सड़कों को हिला दिया। इसके बाद कुछ ही मिनटों में दो और छोटे धमाके सुनाई दिए। धमाकों के तुरंत बाद हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तान रेंजर्स के ठिकाने के आसपास फायरिंग शुरू कर दी। लगभग 30 मिनट तक लगातार गोलियों की आवाजें सुनाई देती रहीं और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

# नोएडा में करोड़ों के निवेश से हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार, सीएम योगी के आने पर खुशियों की बहार

(जीएनएस)।

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-96 स्थित नोएडा प्राधिकरण मुख्य प्रशासनिक भवन के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों, किसानों, बैंक अधिकारियों और एमएसएमई उद्यमियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर बड़े औद्योगिक निवेश, किसानों को लाभ, कर्मचारियों के लिए मेडिकल सुविधा और उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। टीसीएस के 2300 करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेख करते हुए बताया गया कि कंपनी 30 एकड़ में अपनी इकाई स्थापित करेगी, जिससे लगभग 10 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

**3500 करोड़ रुपये का निवेश**

डीएलएफ के चेयरमैन राजीव सिंह को 3500 करोड़ रुपये के निवेश और 10 हजार रोजगार सृजन के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही, डीएलएफ की परियोजना के दूसरे चरण को भी स्वीकृति दी गई। किसानों को विकसित आबादी की पांच प्रतिशत योजना के तहत 250 किसानों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान नरेश त्यागी और सुचिता त्यागी को आरक्षण पत्र सौंपे गए।

नोएडा प्राधिकरण के 4800 कर्मचारियों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस सुविधा की शुरूआत की गई। इस योजना के तहत अंजू और मिथलेश को लाभार्थी के रूप में सम्मानित किया गया।

**बैंक प्रबंधकों को सम्मानित किया गया**

उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाओं के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक शैलेंद्र कुमार सिंह, बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक दीपक राकेश और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक कौशलेन्द्र कुमार को भी सम्मानित किया गया। एमएसएमई प्रोत्साहन के तहत विभिन्न जिलों के उद्यमियों को चेक और टूलकिट वितरित की गई।

वहीं, कार्यक्रम में निवेश, रोजगार सृजन, किसान हित, कर्मचारी कल्याण और एमएसएमई को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

## 30 विद्यार्थियों ने वंदे भारत से किया लखनऊ का शैक्षणिक भ्रमण

(जीएनएस)।

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर राउंड टेबल 298 ने आर्थिक रूप से कमजोर 30 विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय शैक्षणिक और मनोरंजन भ्रमण का आयोजन किया। बच्चों को वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ ले जाया गया। इस पहल में शाहजहांपुर और बरेली जिले के 15-15 विद्यार्थी शामिल थे।

संस्था के वर्तमान अध्यक्ष अक्षत सक्सेना ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को कक्षा से बाहर नए अनुभव देना था। उन्हें विज्ञान, इतिहास और संस्कृति से परिचित कराया गया। लखनऊ में बच्चों ने रीजनल साइंस सिटी का भ्रमण किया। वहां उन्होंने विज्ञान के मॉडल और 3-डी एनिमेशन शो देखे।

इसके बाद उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं पार्क का दौरा किया। अगले दिन बड़ा इमामबाड़ा जाकर लखनऊ की ऐतिहासिक विरासत को समझा। इस दौरान चार्टर अध्यक्ष शिवम अग्रवाल भी बच्चों के साथ थे। भ्रमण के बाद सभी विद्यार्थी वंदे भारत एक्सप्रेस से ही लौटे।